ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी

दिनांक—13/07/2020   **समास(पुनरावृत्ति)**

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

हम लोग अभी समास को पुनः पढ़ रहे हैं, अतः इसे अच्छी तरह से लिखें अपनी कॉपी में एवं याद करें।

एन सी इ आर टी पर आधारित

<u>3.कर्मधारय समास</u>

(उपमेय उपमान),

समस्तपद	विग्रह
कमलनयन	कमल के समान नयन
चरणकमल	कमल के समान चरण
मृगनयन	मृग के समान नयन
पदपंकज	पंकज के समान पद
घनश्याम	घन के समान श्याम

- **विशेषण-जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।**

- **विशेष्य-जिन संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है बताते हैं उन्हें विशेष्य कहा जाता है।**

- **उपमा- जिसकी किसी से उपमा दी जाए। अर्थात् तुलना की जाए।**

- **उपमेय- जो तुलना के योग्य हो वह है उपमेय।**

4 .द्वंद्व समास : जिस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं, उसे द्वंद्व समास कहते हैं। इस समास में दोनों पदों का महत्व समान होता है। द्वंद्व समास में समुच्चयबोधक

अव्यय 'और', 'अथवा', 'या' आदि योजकों का लोप हो जाता है; जैसे-

समस्तपद	विग्रह
सुख-दुख	सुख और दुख
भाई-बहन	भाई और बहन
अमीर-गरीब	अमीर और गरीब
अन्न-जल	अन्न और जल
अपना-पराया	अपना और पराया
राजा-प्रजा	राजा और प्रजा

क्रमशः

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”